

प्रश्नक,

आनन्द वर्द्धन,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उद्योग,

उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,

देहरादून।

औद्योगिक विकास अभ्याग-1

देहरादून, दिनांक: 20 मार्च, 2007

विषय:

वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के अन्तर्गत भूतल एवं खनिकर्म इकाई के कार्यालय भवन निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर निदेशक, भूतल एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या 1343/का0म0नि0/स्था10 2006-07 दिनांक 25 जनवरी, 2007 के संबंध में मुझे यह करने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु आयाजनागत पक्ष के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय, राज्य औद्योगिक विकास निगम हेतु भवन निर्माण योजनान्तर्गत भूतल एवं खनिकर्म इकाई के कार्यालय भवन निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि रुपये 475.89 लाख के सापेक्ष शासनादेश संख्या 2981/VII-1/151-ख/2006 दिनांक 11 अक्टूबर, 2006 द्वारा प्रथम किस्त के रूप में आपके निवर्तन पर रखी गयी रु० 125.00 लाख की धनराशि के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2006-07 में वित्तीय किस्त के रूप में रु० 97.19 लाख (रु० सत्तानव लाख उन्नीस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-

उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का एकमुस्त आहरण कर भूतल एवं खनिकर्म इकाई के माध्यम से निर्माण एजेंसी को तत्काल उपलब्ध करायी जायगी और इस धनराशि का शीघ्रातिशीघ्र उपयोग सुनिश्चित किया जायगा ताकि कार्यालय भवन शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण हो सके। व्यय में मिलव्यता निम्न आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कटाई से अनुपालन किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो यह करते समय वित्तीय हस्ताक्षरितका/बजट मैनुअल के नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त धनराशि का उपयोग भवन निर्माण/आवास संबंधित परिव्यय के अन्तर्गत ही किया जायगा।

3-

स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश संख्या 2981/VII-1/151-ख/2006 दिनांक 11 अक्टूबर, 2006 में इंगित शर्तों के अधीन किया जायगा।

4- वर्षान्त तक स्वीकृत की गयी धनराशि के विपरीत व्यय की गयी धनराशि का उपध्यानीता प्रमाण पत्र एवं योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो दिनांक: 31.03.2007 तक शासन का समर्थित किया जायेगा। व्यय उन्ही योजना/कार्यों पर किया जाय जिन कार्यों हेतु यह स्वीकृत किया जा रहा है। स्वीकृत की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।

5- उक्त व्यय चार्ज वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-23, मुख्य लेखाधीन 4851-ग्रामीण तथा लघु उद्योगों पर पूंजीगत परियोजना, 00-आयोजनागत 102-लघु उद्योग, 06-उद्योग निदेशालय, राज्य औद्योगिक विकास निगम आदि हेतु भवन निर्माण-00, 24-बृहद निर्माण कार्य के नामे जाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 2240/XXVII(2)/2007 दिनांक 16 मार्च, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्मित किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द वर्द्धन)
अपर सचिव।

- पूछांकन संख्या: 1244(1)/VII-1/07/151-ख/2006
- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-
1. महोत्तरेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
 3. निजी सचिव, मा10 मुख्यमंत्री जी।
 4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
 6. अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकम् इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
 7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 8. वित्त अनुभाग-2
 9. गाई-फाईल।

आज्ञा से,
(आनन्द वर्द्धन)
अपर सचिव।